



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1192]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 4, 2014/ज्येष्ठ 14, 1936

No. 1192]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 4, 2014/JYAISTHA 14, 1936

पोत परिवहन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 2014

का.आ. 1438(अ).—जबकि केन्द्र सरकार ने अपनी दिनांक 12 अगस्त, 1966 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 1306 द्वारा पारादीप पत्तन की सीमाओं का दायरा तत्कालीन ओड़ीसा राज्य को घोषित किया था;

और जबकि केन्द्र सरकार ने अपनी दिनांक 17 अप्रैल, 2000 की अधिसूचना संख्या का.आ. 339(अ) और दिनांक 1 अक्टूबर, 2010 की अधिसूचना का.आ. 798(अ) द्वारा उपरोक्त मूल अधिसूचना में संशोधन किया था;

और जबकि कोलकाता पत्तन बनाम केयोन्झार नव निर्माण परिषद् (एस एल पी सं. 3226/2012), के न्यासी बोर्ड के मामले में, भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय लिया था कि 30 जुलाई, 2013 को कोलकाता पत्तन न्यास की पत्तन न्यास सीमाओं को तय करने पर हुई बैठक के कार्यवृत्त का अनुपालन सभी हिस्सेदारों द्वारा, अर्थात् पोत परिवहन मंत्रालय, ओडिशा राज्य सरकार, पश्चिम बंगाल राज्य सरकार और कोलकाता पत्तन न्यास, द्वारा किया जाएगा;

अतः, अब, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा भारत सरकार के तत्कालीन पोत परिवहन एवं भूतल परिवहन मंत्रालय, पोत परिवहन विभाग (पत्तन संकध) की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 1307, दिनांक 12 अगस्त, 1966 में निम्नलिखित संशोधन और करती है, अर्थात्;

उक्त अधिसूचना में, मौजूदा भाग को पैराग्राफ 1 के रूप में अंकित किया जाएगा और पैराग्राफ 1 को यथाअंकित किए जाने के बाद निम्नलिखित पैराग्राफ जोड़े जाएंगे, अर्थात्;

“2 पैराग्राफ 1 में निहित किसी भी बिंदु के बावजूद, केन्द्रीय स्थिति के आसपास 2 समुद्री मील त्रिज्या क्षेत्र में अक्षांश: 21°08'12" उत्तर, देशांतर : 087°14'00" पूर्व को पारादीप पत्तन न्यास के एक भाग के रूप में घोषित किया जाए।

[फा. सं. पीडी-21013/01/2011-पी जी (पार्ट)]

एन. मुरगानन्दम, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी :— मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 1306 द्वारा दिनांक 12 अगस्त, 1966 को प्रकाशित हुई थी और दिनांक 17 अप्रैल, 2010 की अधिसूचना संख्या का.आ. 339(अ) और दिनांक 1 अक्टूबर, 2010 की अधिसूचना का.आ. 798(अ) द्वारा संशोधित की गई थी।

MINISTRY OF SHIPPING**NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd June, 2014

S.O. 1438(E).—Whereas the Central Government vide its notification number G.S.R. 1306, dated the 12th August, 1966 had declared the extent of the limits of the Port of Paradip, the then State of Orissa;

And whereas the Central Government *vide* its notification number S.O. 339(E), dated the 17th April, 2000 and S.O. 798 (E), dated the 1st October, 2010 had amended the aforesaid principal notification;

And whereas in the matter of Board of Trustees for the Port of Kolkata Vs. Keonjhar Nava Nirman Parishad [SLP No. 3226/2012], the Hon'ble Supreme Court of India has held that the minutes of the meeting on deciding the Port Limits of Kolkata Port Trust held on the 30th July, 2013, will be followed by all the stakeholders, namely the Ministry of Shipping, State Governments of Odisha, West Bengal and Kolkata Port Trust;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Shipping and Surface Transport, Department of Shipping (Ports Wing) number G.S.R. 1307, dated the 12th August, 1966, namely:—

In the said notification, the existing portion shall be numbered as paragraph 1 and after paragraph 1 as so numbered, the following paragraph shall be inserted, namely:—

“2. Notwithstanding anything contained in paragraph 1, the area of 2 nautical miles radius around centre position Lat: 21° 08' 12" N, Long: 087° 14' 00" E shall be declared as a part of Paradip Port Trust”.

[F. No. PD-21013/01/2011-PG (Pt)]

N. MURUGANANDAM, Jt. Secy.

Foot Note:— The principal notification was published in the Gazette of India, *vide* number G.S.R 1306, dated the 12th August, 1966 and amended *vide* number G.S.R. 339(E), dated the 17th April, 2000 and S.O. 798(E), dated the 1st October, 2010.